*पाठ - 1 प्राचीन विश्व

कठिन शब्दार्थ

पुरापाषाण युग - जब मानव ने पत्थर के औजार बनाने प्रारम्भ किये

कस्य युग - तांबा और रांगा की मिश्र धातु

मेसोपोटामिया - नदियों के बीच की जमीन

पंडिलिपि - हाथ से लिखी पुस्तके

अभिलेख - पत्थर या धातु की सतह पर लेख लिखना

पुरातत्व - ऐसे तत्व जो जल्दी नष्ट नही होते

मिसोलिथ - जिस काल मे दुनिया की जलवायु में बड़े बदलाव आए

विद्रोह - किसी व्यक्ति, समूह, देश मे एक दूसरे से प्रतियोगिता करने की स्थिति

निषेधाज्ञा -किसी कार्य को नही करने के लिए निर्देश

मकबरा - वह कब्र जिस पर इमारत बनी हो

ईजाद - आविष्कार

दस्तकार - वह कारीगर जो हाथ से छोटे मोटे उपकरण की सहायता से चीज तैयार करता है ।

रांगा - मुलायम धातु

सन्देहस्प्रद - जिस पर संदेह हो

फिनिशियायियो - बदला लेना

गणराज्य - पूरी जनता, तंत्र प्रणाली, जनता द्वारा नियंत्रित प्रणाली

ग्लेडियार - तलवार चलाने वाला

मवेसी पालक - गाय, भैस, बकरी आदि पालने वाला

मृदभांड - मिट्टी के बर्तन

महाजनपद - प्राचीन भारत मे राज्य या प्रशसनीय इकाइयों को कहते है ।

अमित्रघाट - बिन्दुसार का दूसरा नाम

लोकतांत्रिक - जनता का शासन

हस्तशिल्प - हस्तनिर्मित कलात्मक वस्तुएँ

धर्मनिरपेक्ष-किसी देश में सबके लिए समान धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति

कलिंग -तटवर्ती उड़ीसा का प्राचीन नाम है ।

रेशम मार्ग -चीन के रेशम व्यपारी जिस रास्ते से यात्रा करते थे ।

स्तूप-टीला

पुराण-प्राचीन देवी देवताओं की कहानी

प्रदक्षिणा पथ-स्तुपो के चारो ओर परिक्रमा करने के लिए एक वृताकार पथ बना होता था ।

घुमंतू-वे लोग जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते है ।

संगम-विद्वानों और साहित्यकारों का जमा होना

फराओ-मिश्र राजाओ को फरा कहा जाता था ।

ममी-मिश्र में मृत शवो को सरंक्षित रखना ।